

Computer Concept in Hindi

कम्प्यूटर क्या है ?

कम्प्यूटर गणितीय और अगणितीय क्रियाओं को करने वाला इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है। यह आँकड़ों को इनपुट के तौर पर लेता है उन्हें प्रोसेस करता है और आउटपुट के तौर पर अर्थपूर्ण नतीजे प्रदान करता है। हम अपरिपक्व तथ्यों को आँकड़े के रूप में इकट्ठे करते हैं और ये आँकड़े कम्प्यूटर में डाले जाते हैं। कम्प्यूटर इन आँकड़ों को प्रोसेस करके हमें सूचनाएँ प्रदान करता है।

अक्सर लोग सोचते हैं कि कम्प्यूटर एक सर्वशक्तिमान सुपरमैन की तरह है परन्तु ऐसा है नहीं। यह केवल एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है जो तीव्र गति से कार्य करता है और गलती नहीं करता है। इसकी क्षमता सीमित है। यह अंग्रेजी शब्द कम्प्यूट से बना है जिसका अर्थ गणना करना है। हिन्दी में इसे संगणक कहते हैं। इसका उपयोग बहुत सारे सूचनाओं को प्रोसेस करने तथा इकट्ठा करने के लिए होता है।

कम्प्यूटर एक यंत्र है व इसे सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम के अनुसार किसी परिणाम के लिए प्रोसेस करता है। कम्प्यूटर को कृत्रिम बुद्धि की संज्ञा दी गई है। इसकी स्मरण शक्ति मनुष्य की तुलना में उच्च होती है।

कम्प्यूटर की विशेषताएँ:

- यह तीव्र गति से कार्य करता है अर्थात् समय की बचत होती है।
- यह त्रुटिरहित कार्य करता है।
- यह स्थायी तथा विशाल भंडारण क्षमता की सुविधा देता है।
- यह पूर्व निर्धारित निर्देशों के अनुसार तीव्र निर्णय लेने में सक्षम है।

कम्प्यूटर के उपयोग:

- शिक्षा के क्षेत्र में
- वैज्ञानिक अनुसंधान में
- रेलवे तथा वायुयान आरक्षण में
- बैंक में
- रक्षा में
- व्यापार में

- संचार में
- मनोरंजन में

कम्प्यूटर के कार्य

1. डेटा संकलन (Data Collection)
2. डेटा संचयन (Data Storage)
3. डेटा संसाधन (Data Processing)
4. डेटा निर्गमन (Data Output)

पर्सनल कम्प्यूटर क्या है ?

पर्सनल कम्प्यूटर व्यक्तिगत उपयोग के लिए छोटा, अपेक्षाकृत कम खर्चीला डिजाइन किया गया कम्प्यूटर है। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रौद्योगिकी पर आधारित है। व्यापार में इसका उपयोग शब्द संसाधन, लेखांकन, डेस्कटॉप प्रकाशन, स्प्रेडशीट तथा डेटाबेस प्रबंधन आदि के लिए होता है। घर में पर्सनल कम्प्यूटर का उपयोग मनोरंजन के लिए, ई-मेल देखने तथा छोटे-छोटे दस्तावेज तैयार करने के लिए होता है।

पर्सनल कम्प्यूटर के निम्नलिखित मुख्य भाग हैं :

- सी पी यू (CPU)
- हार्ड डिस्क (Hard Disk)
- सीडी ड्राइव (CD-Drive)
- फ्लॉपी ड्राइव (Floppy Drive)
- मॉनिटर (Monitor)
- माउस (Mouse)
- की-बोर्ड (Key Board)
- यू पी एस (UPS)
- स्पीकर (Speaker)

सॉफ्टवेयर क्या है ?

सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग भाषा द्वारा लिखे गये निर्देशों की श्रृंखला है, जिसके अनुसार दिए गये डेटा का प्रोसेस होता है। बिना सॉफ्टवेयर के कम्प्यूटर कोई भी कार्य नहीं कर सकता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य डाटा को सूचना में परिवर्तित करना है। सॉफ्टवेयर के निर्देशों के अनुसार ही हार्डवेयर भी कार्य करता है। इसे प्रोग्राम भी कहते हैं। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के बीच संचार स्थापित करने को इंटरफेस कहते हैं।

सभी सॉफ्टवेयर लाइसेंस के माध्यम से संरक्षित तथा प्रतिबंधित रहते हैं। सॉफ्टवेयर लाइसेंस सॉफ्टवेयर के निर्माता तथा उपयोगकर्ता के बीच कानूनी एग्रीमेंट है, जिसके अन्तर्गत एक से अधिक कम्प्यूटर पर सॉफ्टवेयर को इंस्टॉल करना, कोड में किसी तरह का रूपान्तरण और सॉफ्टवेयर में किसी तरह का बदलाव करना निषेद्य है। यह सॉफ्टवेयर के उपयोग को प्रतिबंधित करता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर विभिन्न तरह के होते हैं। सामान्यतः इसे तीन वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है :

1. सिस्टम सॉफ्टवेयर (System Software)

यह कम्प्यूटर हार्डवेयर को नियंत्रित करता है कि अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर अच्छी तरह से चल सके। जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम, डिवाइस ड्राइवर, विंडोज सिस्टम आदि।

2. अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर (Application Software)

यह यूजर को एक या एक से अधिक कोई विशेष कार्य पूरा करने की अनुमति देता है। उच्च स्तरीय की कम्प्यूटर भाषाओं का उपयोग कर अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर बनाये जाते हैं। सॉफ्टवेयर प्रोग्राम अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करते हुए लिखा जाता है, अतः यूजर आसानी से कम्प्यूटर का उपयोग कर सकता है। जैसे - वर्ड प्रोसेसर, औद्योगिक स्वचालन, व्यापार सॉफ्टवेयर और चिकित्सा सॉफ्टवेयर आदि।

3. प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर (Programming Software)

यह आमतौर पर कम्प्यूटर प्रोग्राम लिखने में एक प्रोग्रामर की सहायता करने के लिए उपकरण प्रदान करता है, जैसे - पाठ संपादक, कम्पाइलर, डि-बगर, इन्टरप्रेटर आदि।

एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर क्या है ?

एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (Application Software) एक ऐसा सॉफ्टवेयर जिसे विशेष उपयोगिताओं के लिए बनाया गया है। एप्लिकेशन प्रोग्राम सामान्य उद्देश्यों के लिए बनाये जाते हैं जैसे की उपज का लेखा-जोखा, सामान्य बिल बुक और खाता-बही बनाना आदि। ये पैकेज बैंकों, अस्पतालों, बीमा कम्पनियों, पब्लिकेशनों आदि के लिए बनाये जाते हैं।

एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर को भी दो भागों में बाँटा जा सकता है :

1. विशेष उद्देश्यीय एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (Customized Application Software) :

ये वे प्रोग्राम हैं जो कि उपभोक्ता की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष तौर पर बनाये जाते हैं। इन सॉफ्टवेयर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ये उपभोक्ता की सारी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस प्रकार के सॉफ्टवेयरों की मुख्य हानि यह है कि ये सामान्य उद्देश्यीय सॉफ्टवेयरों की तुलना महँगा होता है।

2. सामान्य उद्देश्यीय एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (General Purpose Application Software) :

ये वे प्रोग्राम हैं जो कि लोगों के सामान्य आवश्यक कार्यों को करने के लिए बनाये जाते हैं। प्रत्येक प्रोग्राम इस ढंग से लिखा जाता है कि वह बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं पर लागू हो। इस सॉफ्टवेयर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सस्ता होता है। लेकिन इसकी एक बड़ी हानि यह है कि ये उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा नहीं करता।

यहाँ पढ़े कंप्यूटर से सम्बन्धित और भी Topics

- [कम्प्यूटर की भाषायें क्या है ?](#)
- [इन्टरनेट क्या है ?](#)

UPS क्या है ?

UPS का पूरा नाम Uninterruptible Power Supply है। यह बैटरी से संचालित उपकरण है जिसके द्वारा कम्प्यूटर में अनवरत विद्युत आपूर्ति बनी रहती है। यह कम्प्यूटर को तब पावर देता है जब अचानक मुख्य सप्लाई से पावर कट जाती है।

यूपीएस के अन्दर एक बैटरी लगी होती है जो की 20-40 मिनट तक पाँवर दे सकती है । इससे हमें यह लाभ होता है कि जब मुख्य सप्लाई से पाँवर आनी बन्द हो जाती है उस समय हम कम्प्यूटर को ढंग से बन्द कर सकते हैं ।

CPU क्या है ?

CPU का पूरा नाम Central Processing Unit है । इसे प्रोसेसर या माइक्रोप्रोसेसर भी कहता हैं । यह पीसी से जुड़े विभिन्न उपकरणों को नियंत्रित करता है । यह कम्प्यूटर द्वारा प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण करता है । यह एक इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोचिप है जो डेटा को इनफॉर्मेशन में बदलते हुए प्रोसेस करता है । इसे कम्प्यूटर का ब्रेन कहा जाता है । यह कम्प्यूटर सिस्टम के सारे कार्यों को नियंत्रित करता है तथा यह इनपुट को आउटपुट में रूपान्तरित करता है । यह इनपुट तथा आउटपुट यूनिट से मिलकर पूरा कम्प्यूटर सिस्टम बनाता है ।

इसके निम्नलिखित भाग है :-

- अर्थमेटिक लॉजिक यूनिट (Arithmetic Logic Unit) :-

इसका उपयोग अंकगणितीय तथा तार्किक गणना में होता है । अंकगणितीय गणना के अन्तर्गत तुलनात्मक गणना के अन्तर्गत जोड़, घटाव, गुणा और भाग इत्यादि तथा तार्किक गणना के अन्तर्गत तुलनात्मक गणना जैसे (<, > या =), हाँ या ना इत्यादि आते हैं ।

- कंट्रोल यूनिट (Control Unit) :-

यह कम्प्यूटर के सारे कार्यों को नियंत्रित करता है तथा कम्प्यूटर के सारे भागों जैसे इनपुट, आउटपुट डिवाइसेज, प्रोसेसर इत्यादि के सारे गतिविधियों के बीच तालमेल बैठाता है ।

- मेमोरी यूनिट (Memory Unit) :-

यह डेटा तथा निर्देशों के संग्रह करने में प्रयुक्त होता है । इसे मुख्यतः दो वर्गों प्राइमरी तथा सेकेंडरी मेमोरी में विभाजित करते हैं । जब कम्प्यूटर कार्यशील रहता है, अर्थात् वर्तमान में उपयोग हो रहे डेटा तथा निर्देशों का संग्रह प्राइमरी मेमोरी में होता है । सेकेंडरी मेमोरी का उपयोग बाद में उपयोग होने वाले डेटा तथा निर्देशों को संग्रहित करने में होता है ।

ऑपरेटिंग सिस्टम क्या है ?

ऑपरेटिंग सिस्टम (Operating System) एक ऐसा प्रोग्राम है जो कम्प्यूटर के हार्डवेयर और उपभोक्ता के बीच माध्यम का काम करता है। ऑपरेटिंग सिस्टम का प्राथमिक लक्ष्य कम्प्यूटर सिस्टम को प्रयोग के लिए सुविधाजनक बनाना है और इसका द्वितीय लक्ष्य कम्प्यूटर हार्डवेयर को सुचारू रूप से चलाना है।

ऑपरेटिंग सिस्टम प्रोग्रामों का एक सेट है जो कम्प्यूटर के संसाधनों को प्रबंधित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जिसमें कम्प्यूटर को शुरू करना, प्रोग्रामों को मैनेज करना, मेमोरी को मैनेज करना और इनपुट तथा आउटपुट डिवाइसों के बीच के कार्यों का समन्वय करना शामिल है।

ऑपरेटिंग सिस्टम के प्रकार :

- एकाकी उपभोक्ता ऑपरेटिंग सिस्टम (Single User Operating System) :

एकाकी उपभोक्ता ऑपरेटिंग सिस्टम एक ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है जो केवल एक उपभोक्ता को एक ही समय में कार्य करने की अनुमति देता है। एम. एस. डॉस सबसे अधिक प्रचलित एकाकी उपभोक्ता ऑपरेटिंग सिस्टम है।

- मल्टी-यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम (Multi-User Operating System) :

बड़ा कम्प्यूटर अधिक कार्यकुशलता से उपयोग किया जा सकता है, यदि एक ही समय पर बहुत से उपभोक्ता इस पर काम करें। ऐसा लोकल एरिया नेटवर्क के तहत टाइम शेयरिंग मोड (Time Sharing Mode) में ही सम्भव है। इन बहु-उपभोक्तओं के साथ ऑपरेटिंग सिस्टम प्रत्येक उपभोक्ता को एक निश्चित समय बाँटता है और इस बात पर भी कड़ी मेहनत करता है कि आउटपुट उपकरणों को जाने वाले नतीजे आपस में मिल न जाए। युनिक्स (Unix), विंडोज 98 आदि कुछ बहु-उपभोक्ता ऑपरेटिंग सिस्टम हैं।

मेमोरी क्या है ?

मेमोरी कम्प्यूटर का बुनियादी घटक है। यह कम्प्यूटर का आंतरिक भंडारण क्षेत्र है। केन्द्रीय प्रोसेसिंग इकाई (CPU) को प्रोसेस करने के लिए इनपुट डाटा एवं निर्देश चाहिए, जो की मेमोरी में संग्रहित रहता है। मेमोरी में ही संग्रहित तथा निर्देश का प्रोसेस होता है, तथा आउटपुट प्राप्त होता है। अतः मेमोरी कम्प्यूटर का एक आवश्यक अंग है।

मेमोरी बहुत सारे सेल में बँटे होते हैं जिन्हें लोकेशन कहते हैं। हर लोकेशन का एक अलग लेबल होता है जिसे एड्रेस कहते हैं।

मेमोरी दो प्रकार के होते हैं :

1. प्राथमिक मेमोरी (Primary Memory) :

प्राथमिक मेमोरी को अक्सर मुख्य मेमोरी भी कहते हैं, जो कम्प्यूटर के अन्दर रहता है तथा इसके डेटा और निर्देश का CPU द्वारा तीव्र तथा प्रत्यक्ष उपयोग होता है।

2. सहायक मेमोरी (Secondary Memory) :

इसे सहायक तथा बैंकिंग स्टोरेज मेमोरी भी कहते हैं। चँकि मुख्य मेमोरी अस्थायी तथा सीमित क्षमता वाले होते हैं इसलिए द्वितीयक मेमोरी को बड़ी मात्रा में स्थायी डेटा मेमोरी के रूप में इस्तेमाल करते हैं। ज्यादातर इसका उपयोग डेटा बैकअप के लिए किया जाता है। CPU को वर्तमान में जिस डेटा की आवश्यकता नहीं होती है उसे द्वितीयक मेमोरी में संग्रह किया जाता है।

इन्टरनेट क्या है ?

इन्टरनेट का मतलब उच्चस्तरीय कम्प्यूटर का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक-दूसरे से जुड़ाव है। ये जुड़ाव नेटवर्क केबलों, टेलीफोन केबलों, माइक्रोवेव डिश, सैटेलाइट और अन्य प्रकार के आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के द्वारा सम्भव किया जाता है। इन्टरनेट विश्व के विभिन्न नेटवर्कों से सम्बन्ध रखने वालों हजारों कम्प्यूटर का एक जुड़ाव है। इससे नेटवर्किंग के माध्यम से विश्व में किसी भी जगह से विभिन्न प्रकार की सूचनाओं में भागीदारी की जा सकती है।

नेटवर्क टोपोलॉजी क्या है ?

नेटवर्क टोपोलॉजी विभिन्न नोड्स या टर्मिनल को आपस में जोड़ने का तरीका है। यह विभिन्न नोड्स के बीच भौतिक संरचना को दर्शाता है। नेटवर्क संरचना का अर्थ है कि नेटवर्क तारों की तर्कपूर्ण व्यवस्था। अन्य शब्दों में, कम्प्यूटरों का आपस में जुड़ने का ढंग ही नेटवर्क टोपोलॉजी कहलाता है।

नेटवर्क टोपोलॉजी निम्नलिखित प्रकार के होते हैं :

- मेस टोपोलॉजी (Mesh Topology) :

यह नेटवर्क उच्च ट्राफिक स्थिति में मार्ग (Routes) को ध्यान में रखकर उपयोग किया जाता है। इसमें किसी भी स्रोत (Source) से कई मार्गों से सन्देश भेजा जा सकता है। पूर्णतः इन्टरकनेक्टेड मेस नेटवर्क खर्चीला है, क्योंकि इसमें ज्यादा केबल (Cable) तथा नोड में इंटेलिजेंस की आवश्यकता होती है। इस नेटवर्क में उच्च सुरक्षा अनुप्रयोग में डाटा प्रेषित किया जाता है।

- स्टार टोपोलॉजी (Star Topology) :

इस नेटवर्क में एक केन्द्रीय नोड होता है जो इंटेलिजेंस से युक्त होता है। बाकि नोड्स इससे जुड़े रहते हैं। इस केन्द्रीय नोड को हब कहते हैं। कोई एक केबल में कोई कठिनाई आने पर एक ही नोड विफल होता है परन्तु अगर हब में कोई कठिनाई आती है तो सारा नेटवर्क विफल होता है।

- रिंग टोपोलॉजी (Ring Topology) :

इस नेटवर्क में सभी नोड्स में समान रूप से इंटेलिजेंस होता है। डेटा का प्रवाह हमेशा एक ही दिशा में होता है परन्तु किसी भी एक केबल या नोड में कठिनाई आने पर दूसरे से संचार संभव है।

- बस टोपोलॉजी (Bus Topology) :

इस नेटवर्क में सभी नोड्स एक ही केबल में जुड़े रहते हैं। कोई भी नोड किसी दूसरे नोड को डेटा प्रेषित करना चाहता है तो उसे देखना होता है की बस में कोई डेटा प्रवाहित तो नहीं हो रहा है। बस खाली रहने पर नोड डेटा प्रेषित कर सकता है। इसमें कम केबल की आवश्यकता होती है तथा नया नोड जोड़ना आसान होता है। परन्तु प्रमुख ट्रांसमिशन लाइन में कठिनाई आने पर सारा नेटवर्क विफल हो जाता है।

वेब ब्राऊजर क्या है ?

वेब एक विशाल पुस्तक की तरह है तथा वेब ब्राऊजर एक सॉफ्टवेयर है जो कम्प्यूटर को इंटरनेट से जोड़ता है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर है। ब्राऊजर वर्ड वाइड वेब पर साइट देखने का एक सामान्य साधन है। इन सॉफ्टवेयर का उपयोग कर हमलोग इंटरनेट से जुड़ने में सक्षम होते हैं, तथा वेब से अपने पसंद की जानकारियों को प्राप्त कर सकते हैं। यह अनेक कार्यों को जैसे की ई-मेल, खबरें, इंटरनेट से बात करना, वार्तालाप, मल्टीमीडिया आदि को नियंत्रित करता है।

ब्राऊजर भी एक वेब ग्राहक माना जाता है क्योंकि क्लाइन्ट मॉडल में यह क्लाइन्ट प्रोग्राम की तरह कार्य करता है। ब्राऊजर वेब सर्वर से सम्पर्क बनाता है और सूचनाओं के लिए निवेदन करता है।

वेब ब्राऊजर का उपयोग कर हमलोग किसी विशेष पेज या लोकेशन पर उसके पता टाइप कर जा सकते हैं, इस पता को यूआरएल कहते हैं।

कुछ प्रमुख वेब ब्राऊजर निम्नलिखित है :-

- नेटस्केप नेविगेटर (Netscape Navigator)
- माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सप्लोरर (Microsoft Internet Explorer)
- मौजिला फायरफॉक्स (Mozilla Firefox)
- NCSA मॉज़ैक (NCSA Mosaic)
- ओपेरा (Opera)
- सफारी (Safari)
- क्रोम (Chrome)

वर्ल्ड वाइड वेब क्या है ?

वर्ल्ड वाइड वेब और इंटरनेट दोनों दो चीजे हैं परन्तु दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। वर्ल्ड वाइड वेब जानकारी युक्त पेजों का विशाल संग्रह है जो एक दूसरे से जुड़ा है। जिसे वेब पेज कहते हैं। वेब पेज **HTML** भाषा में लिखा होता है जो कंप्यूटर में प्रयुक्त एक भाषा है। वेब पेज को जो रोचक बनाता है वह है हाइपरलिंक, जिसे अक्सर लिंक कहा जाता है।

हर लिंक किसी दूसरे पेज को इंगित करता है और जब हम इस पर क्लिक करते हैं तो हमारा ब्राऊजर लिंक से जुड़े पेज को उपलब्ध कराता है। अतः वर्ल्ड वाइड वेब एक विशाल सूचनाओं का डेटाबेस है तथा हर सूचना एक दूसरी सूचना से जुड़ा है।

मेमोरी कम्प्यूटर का बुनियादी घटक है। यह कम्प्यूटर का आंतरिक भंडारण क्षेत्र है। केन्द्रीय प्रोसेसिंग इकाई (CPU) को प्रोसेस करने के लिए इनपुट डाटा एवं निर्देश चाहिए, जो की मेमोरी में संग्रहित रहता है। मेमोरी में ही संग्रहित तथा निर्देश का प्रोसेस होता है, तथा आउटपुट प्राप्त होता है। अतः मेमोरी कम्प्यूटर का एक आवश्यक अंग है।

मेमोरी बहुत सारे सेल में बँटे होते हैं जिन्हें लोकेशन कहते हैं। हर लोकेशन का एक अलग लेबल होता है जिसे एड्रेस कहते हैं।

मेमोरी दो प्रकार के होते हैं :

1. प्राथमिक मेमोरी (Primary Memory) :

प्राथमिक मेमोरी को अक्सर मुख्य मेमोरी भी कहते हैं, जो कम्प्यूटर के अन्दर रहता है तथा इसके डेटा और निर्देश का CPU द्वारा तीव्र तथा प्रत्यक्ष उपयोग होता है ।

2. सहायक मेमोरी (Secondary Memory) :

इसे सहायक तथा बैंकिंग स्टोरेज मेमोरी भी कहते हैं । चूँकि मुख्य मेमोरी अस्थायी तथा सीमित क्षमता वाले होते हैं इसलिए द्वितीयक मेमोरी को बड़ी मात्रा में स्थायी डेटा मेमोरी के रूप में इस्तेमाल करते हैं । ज्यादातर इसका उपयोग डेटा बैकअप के लिए किया जाता है । CPU को वर्तमान में जिस डेटा की आवश्यकता नहीं होती है उसे द्वितीयक मेमोरी में संग्रह किया जाता है ।

डोमेन नाम क्या है ?

डोमेन नाम (Domain Name) एक विशेष नाम है जो इंटरनेट साइट की पहचान बताता है । किसी इंटरनेट वेबसाइट (Website) का यूआरएल (URL) के अंत में डॉट (.) के बाद के नाम को डोमेन कहते हैं । जैसे - **http://gk-hindi.in** में **.in** डोमेन नेम है । यह किसी संस्था या देश को इंगित करता है ।

कुछ महत्वपूर्ण डोमेन नेम निम्नलिखित हैं :

- .acro - एवीएशन
- .gov - सरकारी संस्था
- .in - भारत
- .net - नेटवर्क
- .name - पर्सनल
- .jobs - नोकरी
- .biz - बिजनेस आर्गेनाइजेशन
- .edu - शैक्षिक संस्था
- .org - आर्गेनाइजेशन
- .mil - सैनिक
- .asia - एशिया
- .com - कॉमर्शियल